_____ उदय शंकर प्रसाद
[पूर्व सहायक प्रोफेसर (फ्रेंच विभाग), तमिलनाडु]

“ मोबाइल ”

साँझ अब लुका गइल
भोर अब भुला गइल
जब से आइल बा मोबाइल
लोग घरवा में ढूका गइल

लोग लोग मे दूरी बढ़ल
नाता रिस्ता सभे छुटल
सभे अपना में अझुरा गइल
जब से आइल बा मोबाइल
लोग घरवे में भुला गइल

अब कंहवा दादी के खिस्सा
अउर कंहा बाबू के कंधा
खेत खलिहान ओरा गइल
जब से आइल बा मोबाइल
लोग घरवे में भुला गइल

माई के लोरी बा भुलाइल
गीत गजल सभे बा ओराइल
गाव के चबूतरा तुड़ा गइल
जब से आइल बा मोबाइल
लोग घरवे में भुला गइल

रामायण के राम भुलाइल
सीता के संस्कार भुलाइल
महाभारत के नाम ओराइल
जब से आइल बा मोबाइल
लोग घरवे में भुला गइल

टीवी अउर एंटीना भुलाइल
भिसियार जरनेटर भुलाइल
सिनेमा घर कबे छोरा गइल
जब से आइल बा मोबाइल
लोग घरवे में भुला गइल

चिठ्ठी अउर तार भुलाइल
मैसेज के जमाना आइल
सबसे सब अगुता गइल
जब से आइल बा मोबाइल
लोग घरवे में भुला गइल

~~~o~~~
~~~